व्याकरण वृक्ष 3

शिक्षक-दर्शिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

भाषा और लिपि

पाठ योजना: 1

आज की अवधारणा

छात्रों को भाषा व लिपि के बारे में बताना- भाषा की उपयोगिता, भाषा के रूप, लिपि का उपयोग व उसका अर्थ। हम अपने विचार बोलकर और लिखकर प्रकट करते हैं तथा दूसरों के विचार सुनकर व पढ़कर समझते हैं। छात्रों से इस विषय पर चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्रों से इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय ''भाषा'' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करे ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में भाषा व लिपि संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- भाषा व उसके रूपों के बारे में सोचना और विचार करना।
- देश की विभिन्न भाषाओं के बारे में जानना।
- भाषाओं व उनकी लिपियों के बारे में जानना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को भाषा का महत्व समझाना व बताना कि मन के विचारों को दूसरों तक पहुँचाने या दूसरों के विचारों को जानने के लिए भाषा ही एक साधन है।
- मौखिक व लिखित भाषा की उपयोगिता को समझाना।
- भाषा व उनकी लिपियों का ज्ञान कराना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में देश-विदेश की विभिन्न भाषाओं के बारे में जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

हमारे देश के अलग-अलग राज्यों में विभिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं। अध्यापक छात्रों को देश के अलग-अलग राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं के बारे में पता लगाने व राज्य के सामने भाषा का नाम लिखकर तालिका बनाने को कहें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध भाषा व लिपि से संबंधित व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर देश की विभिन्न भाषाओं से संबंधित वीडियों क्लिप्स।
- कक्षा में भाषा व लिपि की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नही हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को भाषा व लिपि के बारे में बताना। देश की अन्य भाषाओं को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• कक्षा में भाषा के मौखिक व लिखित रूप के चित्र दिखाकर छात्रों को भाषा के रूप स्पष्ट करें। • छात्रों को बताएँ कि इशारों से अपनी बात कहना व दूसरे की बात समझना भाषा नहीं संकेत मात्र है। • हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। छात्रों को देश में बोली जाने वाली अन्य भाषाओं से अवगत कराएँ। • छात्रों को यह भी बताएँ कि भाषा को लिखने के लिए उपयोग किए जाने वाले चिह्नों को लिपि कहते हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. हमारे देश में किस भाषा का प्रयोग सबसे अधिक होता है?

अ. अंग्रेजी **ब.** हिंदी **स.** उर्दू

ख. हिंदी भाषा की लिपि कौन-सी है?

अ. अरबी **ब.** फारसी **स.** देवनागरी

ग. दूसरों के द्‌वारा किए गए संकेतों को समझना भाषा के किस रूप को प्रकट करता है?

अ. सांकेतिक भाषा **ब.** मौखिक भाषा **स.** लिखित भाषा

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए-

क. भाषा क्या है?

....

ख. लिपि किसे कहते हैं?

....

ग. हमारे देश की राजभाषा कौन-सी है?

....

घ. सांकेतिक भाषा किसे कहते हैं?

....

3. भाषा के सही रूप को पहचान कर उसे चिह्‌नित कीजिए।

	मौखिक	**लिखित**
क. कक्षा में छात्रों की आपसी बातचीत	....	....
ख. बात सुनकर जवाब देना	....	....
ग. निमंत्रण कार्ड पर लिखना	....	....
घ. प्रधानाचार्य को पत्र लिखना	....	....
ङ. अध्यापक द्‌वारा श्रुतलेख लिखवाना	....	....

4. नीचे कुछ राज्य दिए गए हैं, तालिका में से उन राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं को ढूँढिए।

बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाड

ए	ख	ज	प	न	मि
जि	बां	ग्ला	स	ती	ल
ट	ना	खा	म	रा	ठी
त	प	थ	ञ	ज	श
द	मि	र	ह	गु	ख
ल	न	ल	पं	जा	बी

वर्णमाला

पाठ योजनाः 2

आज की अवधारणा

छात्रों को वर्ण व वर्णमाला के बारे में बताएँ।

छात्रों को बताएँ कि वर्ण के दो भेद (स्वर व व्यंजन) होते हैं। स्वर व व्यंजनों को मिलाकर ही हिंदी की वर्णमाला बनती है।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वर्णों के भेद व वर्णमाला संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- वर्ण व उसके भेदों के बारे में सोचना और विचार करना।
- स्वरों व व्यंजनों का सही उच्चारण करना।
- विसर्ग (:) चिह्नों का अभ्यास।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को स्वर व व्यंजन के बारे में बताना।
- छात्रों को बताना कि वर्णमाला में भाषा के सारे वर्ण एक निश्चित क्रम में होते हैं।
- छात्रों को समझाना कि विसर्ग चिह्नों का प्रयोग केवल संस्कृत शब्दों में होता है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

अध्यापक छात्रों को अनुस्वार, अनुनासिक, विसर्ग (:) व हल् चिह्न आदि से अवगत कराएँ।

कक्षा में अध्यापक छात्रों को कुछ शब्द बोलकर उन पर अनुस्वार, अनुनासिक व विसर्ग चिह्न लगाने को कहें और अंत में देखें कि किस छात्र ने सबसे अधिक शब्दों पर सही चिह्न लगाएँ हैं।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध देश व विदेश की प्रचलित भाषा से संबंधित विभिन्न पुस्तकें।
- यूट्यूब पर वर्णमाला व संयुक्त व्यंजन से संबंधित वीडियो क्लिप्स।
- कंप्यूटर पर इंटरनेट द्वारा अन्य भाषाओं से आए वर्ण (ऑ) तथा नुक्ता (ज़, फ़) वाले शब्दों की पहचान कराएँ।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, पाठ पढ़ने के उपरांत अन्य ध्वनियों को जानने संबंधित उत्सुकता उत्पन्न करना।	• छात्रों को संयुक्त व्यंजनों का अभ्यास कराएँ व संयुक्त व्यंजन से बने शब्दों के बारे में पूछें। • छात्रों को नुक्ता के बारे में बताएँ। उन्हें बताएँ कि 'ज़' और 'फ' वर्ण दोनों उर्दू से आए हैं। • हिंदी की वर्णमाला में 11 स्वर और 35 व्यंजन होते हैं। छात्रों को इनसे अवगत कराएँ। • छात्रों को कुछ शब्दों का उच्चारण करवाएँ फिर उनसे पूछें कि इनमें कौन-सी ध्वनि का प्रयोग किया गया है।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. मुख से निकली ध्वनियों से किसका निर्माण होता है?

अ. वचन ब. संज्ञा स. भाषा

ख. अपनी बात कहते समय हम भाषा के किस रूप का प्रयोग करते हैं?

अ. लिखित ब. मौखिक स. मोतीमाला

ग. मूल व्यंजनों के नीचे क्या लगा होता है?

अ. हल् चिह्न   ब. अच् चिह्न   स. नल् चिह्न

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. वर्ण किसे कहते हैं?

....

ख. स्वर की परिभाषा दीजिए।

....

ग. हिंदी की वर्णमाला कैसे बनती है?

....

घ. विसर्ग का प्रयोग किस भाषा के शब्दों में किया जाता है?

....

3. कोष्ठक में से उचित शब्द सुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

क. विसर्ग चिह्न (:) का प्रयोग केवल .... शब्दों में होता है।(हिंदी/संस्कृत)

ख. संयुक्त व्यंजन .... व्यंजनों से मिलकर बनते हैं। (दो/चार)

ग. उर्दू भाषा के वर्ण 'ज़' के नीचे लगी बिंदी को .... कहते हैं। (मुकता/नुकता)

घ. 'ऊँट' शब्द में .... लगा है। (अनुस्वार/अनुनासिक)

ङ. अनुस्वार का उदाहरण .... है। (चाँदनी/चंदन)

4. संयुक्त व्यंजनों से दो-दो शब्द बनाइए।

क. क्ष ...., ...

ख. त्र ...., ...

ग. ज्ञ ...., ...

घ. श्र ...., ...

5. वर्णमाला के निश्चित क्रम के अनुसार नीचे दी गई माला में वर्णों को पिरोइए।

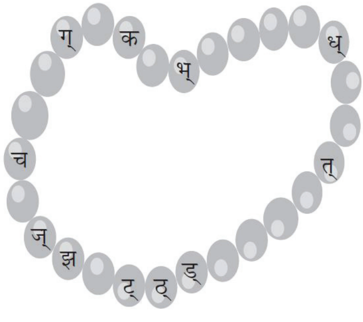

मात्राएँ　　पाठ योजनाः 3

आज की अवधारणा

छात्रों को विभिन्न प्रकार की मात्राओं से अवगत कराएँ। उन्हें बताएँ कि जब स्वर किसी व्यंजन के साथ मिलता है, तो उसका रूप बदल जाता है। इस बदले हुए छोटे रूप को ही मात्रा कहते हैं। 'अ' को छोड़कर शेष सभी स्वरों की मात्रा होती है।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्रों से इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में मात्रा संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- मात्राओं के बारे में सोचने और विचार करने में,
- शब्दों को ध्यान से सुनना व उनमें लगने वाली मात्रा की तरफ ध्यान देना।
- अलग-अलग तरह की मात्राओं को अनुसार उन्हें लिखने का आभास करना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को शब्दों में मात्राओं का उपयोग समझाना।
- छात्रों को मात्राओं की उपयोगिता समझाना।
- छात्रों को बताएँ कि किसी भी वर्ण को किसी भी वर्ण से मिला देने से शब्द नहीं बनता।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना तथा मात्राओं के ज्ञान से अवगत कराना।

गतिविधियाँ

अध्यापक एक-एक छात्र को बुलाकर कुछ शब्दों का उच्चारण करें व छात्र से उन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखने को कहे। जो छात्र सबसे अधिक सही शब्द लिखे उसके लिए कक्षा में तालियाँ बजवाई जाएँ।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध में मात्राओं से संबंधित पुस्तकें।
- यूट्यूब पर मात्राओं से संबंधित वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में मात्राओं से संबंधित चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं है। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को मात्राओं से संबंधित जानकारी देना व उनमें मात्राओं के बारे में जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को व्यंजनों पर लगने वाली स्वरों की मात्राओं से अवगत कराएँ। • छात्रों को बताएँ कि वर्णों को सही क्रम में लगाने से ही शब्द बनता है तथा शब्दों को सही क्रम में रखने से सार्थक वाक्य बनते हैं। • छात्रों को बताएँ कि 'अ' स्वर की मात्रा दिखाई नहीं देती है, केवल सुनाई देती है।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. किस स्वर की कोई मात्रा नहीं होती?

अ. आ   ब. ई   स. अ

ख. सभी भाषाओं की अपनी-अपनी क्या होती है?

अ. ु   ब. ा   स. ू

ग. तरह-तरह के वाक्यों से किसका निर्माण होता है?

अ. भाषा का   ब. ध्वनि का   स. शब्दों का

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. वाक्य कैसे बनते हैं?

....

ख. मात्रा किसे कहते हैं?

....

ग. शब्दों का निर्माण किनके मेल से होता है?

....

3. दी गई मात्राओं से दो-दो बनाइए।

क. औ (ौ)   ...., ...

ख. उ (ु)   ...., ...

ग. ई (ी)   ...., ...

4. दिए गए शब्दों की ध्वनियों को अलग-अलग करके लिखिए।

उदाहरण: आजकल – आ + ज् + अ + क् + अ + ल् + अ

क. मिलावट –

ख. किसान –

ग. भूमिका –

घ. कविता –

5. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

क. बरसात – ....

ख. नदियाँ – ....

ग. अध्यापक – ....

घ. खिलौने – ....

संज्ञा

पाठ योजना: 4

आज की अवधारणा

छात्रों को संज्ञा व उसके प्रयोग के बारे में बताएँ।

छात्रों को बताएँ कि किसी भी प्राणी, वस्तु, स्थान व भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में संज्ञा संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- संज्ञा शब्दों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- शब्दों को ध्यान से सुनकर उस पर विचार करना कि वह संज्ञा के किस समूह में आएँगे।
- किसी भी पाठ से शब्दों का चयन कर उन्हें अलग-अलग संज्ञा समूहों में विभाजित करना।।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को संज्ञा के बारे में बताना तथा उसका उपयोग समझाना।
- छात्रों को बताना कि जो भी हम अपने आसपास देखते हैं, वे सभी संज्ञा हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों का पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना तथा छात्रों को संज्ञा का ज्ञान विस्तार से प्राप्त करना।

गतिविधियाँ

अध्यापक द्वारा छात्रों को संज्ञा शब्दों व उसके समूहों से अवगत कराना।

अध्यापक संज्ञा शब्दों की अलग-अलग परचियाँ बनाए तथा एक-एक करके छात्र को उन परचियों में से एक परची उठाने को कहें। परची उठाने के बाद छात्र से उस परची में लिखे शब्द के बारे में पूछे कि यह नाम संज्ञा के किस समूह में जाएगा। सही उत्तर देने वाले छात्र के लिए कक्षा में तालियाँ बजवाई जाएँ तथा गलत उत्तर देने वाले को सही उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध संज्ञा संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर संज्ञा व उनके समूहों से संबंधित वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में संज्ञा संबंधित चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को संज्ञा से संबंधित जानकारी प्रदान करें। उनमें संज्ञा के संबंध में उत्सुकता जागृत करें।	• छात्रों को बताएँ कि भाववाचक संज्ञा में सिर्फ भावों के नाम होते हैं। जैसे-बुढ़ापा, बचपन, सुंदरता, मिठास आदि। • छात्रों को अन्य संज्ञा शब्दों को ढूँढ़ने के लिए कहें। फिर उनको अलग-अलग समूह में विभाजित करने में मदद करें। • छात्रों को बताएँ कि व्यक्ति, वस्तु, स्थान व भाव के नाम के अलावा दिनों, महीनों, नदियों, पुस्तकों, इमारतों आदि के नाम भी संज्ञा शब्द होते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को क्या कहते हैं?

अ. विशेषण ब. संज्ञा स. सर्वनाम

ख. 'बुढ़ापा' शब्द में संज्ञा का कौन-सा नाम है?

अ. प्राणी का नाम   ब. व्यक्ति का नाम   स. भाव का नाम

ग. 'हम कल कुतुबमीनार देखने गए' वाक्य में संज्ञा शब्द कौन-सा है?

अ. कुतुब मीनार   ब. कल   स. देखने

2. दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए।

क. आज बहुत सरदी है। ....

ख. महात्मा गाँधी को राष्ट्रपिता कहा जाता है। ....

ग. वह अमेरिका पहली बार गई है। ....

घ. उसका नाम देवेश है। ....

3. प्रत्येक के दो-दो संज्ञा शब्द लिखिए।

क. भावों के नाम – ...., ...

ख. स्थानों के नाम – ...., ...

ग. वस्तुओं के नाम – ...., ...

4. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य बनाइए-

टिम्मी / रीता / पार्क / आइसक्रीम / विद्यालय

क. नेहा और .... बातें कर रहे थे।

ख. मेरे घर में एक बिल्ली है जिसका .... नाम है।

ग. हम प्रातः काल .... में घूमने जाते हैं।

घ. खाकर गला .... खराब हो गया।

ङ. कल .... में छुट्टी है।

लिंग

पाठ योजना: 5

आज की अवधारणा

छात्रों को लिंग का बोध कराएँ व उसके प्रयोग की जानकारी दें।

छात्रों को बताएँ लिंग के दो भेद होते है-पुल्लिंग व स्त्रीलिंग। पुल्लिंग से पुरुष जाति तथा स्त्रीलिंग से स्त्री जाति के होने का बोध होता है।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में लिंग संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- लिंग के दोनों भेदों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- पुल्लिंग व स्त्रीलिंग को सही तरीके से समझने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को स्त्रीलिंग व पुल्लिंग के बारे में बताएँ।
- छात्रों को बताएँ कि लिंग से हमें स्त्री या पुरुष जाति के होने का बोध होता है।
- छात्रों को पुल्लिंग व स्त्रीलिंग भेद से अवगत कराएँ।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

अध्यापक कक्षा में सभी छात्रों को दस पुल्लिंग व दस स्त्रीलिंग शब्द लिखने को कहें। सभी सही शब्द लिखने वाले छात्रों के लिए कक्षा में तालियाँ बजवाई जाएँ बाकि अन्य छात्रों को पुल्लिंग व स्त्रीलिंग का ज्ञान करवाकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध लिंग (स्त्रीलिंग व पुल्लिंग)से संबंधित पुस्तकें।

- यूट्यूब पर पुल्लिंग व स्त्रीलिंग संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में स्त्रीलिंग व पुल्लिंग संबंधी चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, छात्रों को पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों से अवगत करवाना।	• अध्यापक छात्रों को अलग-अलग चित्र दिखाकर उनमें से पुल्लिंग व स्त्रीलिंग बताने को कजहें। • छात्रों को बताएँ कि जिन शब्दों से उनके पुरुष जाति के होने का बोध होता है वह पुल्लिंग तथा जिन शब्दों से उनके स्त्री जाति के होने का बोध होता है वह स्त्रीलिंग कहलाते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. 'शिक्षिका' शब्द से किस लिंग की जानकारी मिल रही है?

अ. पुल्लिंग ब. वर्ण स. कोई नहीं

ख. 'राम भाग रहा है' वाक्य में पुल्लिंग शब्द कौन-सा है?

अ. भाग ब. रहा स. राम

ग. पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

अ. पुल्लिंग ब. स्त्रीलिंग स. अन्य लिंग

घ. लिंग के भेदों की संख्या कितनी है?

अ. एक ब. तीने स. दो

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. लिंग को परिभाषित कीजिए।

....

ख. स्त्रीलिंग शब्दों से किस जाति का बोध होता है?

....

ग. लिंग के दो भेदों के नाम बताइए।

....

घ. पुल्लिंग शब्दों से किस जाति का बोध होता है?

....

3. लिंग बदलकर खाली स्थान भरिए।

क. नौकर गाड़ी साफ करता है और .... खाना पकाती है।

ख. अध्यापक गणित पढ़ाते हैं और .... विज्ञान पढ़ाती है।

ग. बेटा और .... मिलकर बाज़ार चले गए।

घ. भाई ने रक्षाबंधन पर अपनीं .... को उपहार दिया।

ङ. हम सभी नाना जी और .... जी से मिलने गाँव गए।

4. दिए गए शब्दों के स्त्रीलिंग रूप को रेखांकित कीजिए।

क. पिता	माते	मात्रा	माता
ख. बैल	गाओ	गाय	गावे
ग. बालक	बालिका	बालकों	बाले
घ. लेखक	लेखन	लेखाइन	लेखिका

वचन पाठ योजना: 6

आज की अवधारणा

छात्रों को वचन व उसके भेदों के बारे में बताना।

वचन शब्द से हमें उसकी संख्या का पता चलता है।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वचन संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- वचनों के बारे में जानने, सोचने व विचार करने में,
- वचन के भेदों (एकवचन व बहुवचन) का महत्व व उपयोगिता समझना।
- विभिन्न प्रकार के शब्दों को एकवचन व बहुवचन दोनों रूपों में पढ़ना व उनका उपयोग करना सीखना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को एकवचन व बहुवचन की उपयोगिता समझाना।
- छात्रों को बताना कि किसी व्यक्ति को आदर देने के लिए भी बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।
- कई शब्द ऐसे होते हैं जो केवल बहुवचन या फिर एकवचन में ही प्रयुक्त होते हैं। छात्रों को ऐसे शब्दों को जानने के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करना व उनकी जानकारी देना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में एकवचन और बहुवचन शब्दों के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

- कक्षा को दो वर्गों में विभाजित करके एक वर्ग को अपने आस-पास की चीज़ों को देखकर एकवचन व दूसरे वर्ग को बहुवचन चीज़ों को सूचीबद्ध करने को कहिए जो वर्ग सबसे सही व अधिक चीज़ों के नाम ढूँढ़कर लिखता है। उस वर्ग के लिए तालियाँ बजवाई जाएँ। इससे छात्रों को एकवचन व बहुवचन का भेद स्पष्ट हो जाएगा।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में वचन संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर वचन संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में एकवचन व बहुवचन की जानकारी देने वाला चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को वचन के संबंध में बताना। उनमें शब्दों को जानने के प्रति रुचि जागृत करना।	• छात्रों को चित्र दिखाकर एकवचन व बहुवचन का बोध कराएँ। • छात्रों को कुछ वाक्य देकर उसमें एकवचन या बहुवचन किसका प्रयोग हुआ है। इस तरह के छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। • छात्रों को विभिन्न प्रकार के शब्दों का ज्ञान कराएँ। • वचन संबंधी शब्दजाल खेल खेलने को प्रोत्साहित करें। • छात्रों से वचन के भेदों को उदाहरण देकर स्पष्ट करने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुस्कराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ।

क. वचन कितने प्रकार के होते हैं?

अ. एक   ब. दो   स. तीन

ख. इनमें से कौन-सा नाम एक पशु का नाम है?

अ. एकवचन   ब. बहुवचन   स. कोई नहीं

ग. 'वे चार मित्र हैं' वाक्य में वचन का कौन-सा रूप है?

अ. एकवचन ब. बहुवचन स. कोई नहीं

घ. 'खिड़की' शब्द का सही बहुवचन रूप क्या है?

अ. खिड़कियाँ ब. खिड़कियों स. खिड़कीयां

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. किसी व्यक्ति को आदर देने के लिए किस वचन का प्रयोग किया जाता है?

....

ख. एकवचन किसे कहते हैं?

....

ग. 'कुत्ते भौंक रहे हैं' वाक्य को एकवचन में परिवर्तित कीजिए।

....

3. कोष्ठक में से सही शब्द छाँटकर खाली जगह भरिए।

क. .... नृत्य कर रही हैं। (लड़की/लड़कियाँ)

ख. आसमान में .... उड़ रही है। (पतंग/पतंगें)

ग. .... तैर रही हैं। (मछली/मछलियाँ)

घ. .... बातें कर रही हैं। (औरतें/औरत)

ङ. .... रो रहा है। (बच्चे/बच्चा)

4. दिए गए शब्दों के सही बहुवचन रूप पर (✓) का निशान लगाइए।

क.	घोड़ा ☐	घोड़ी ☐	घोड़े ☐	घड़े ☐
ख.	माला ☐	माले ☐	मालियों ☐	मालाएँ ☐
ग.	आँख ☐	आँखें ☐	अँखियाँ ☐	अँखियों ☐
घ.	सेना ☐	सेनों ☐	सैनिकों ☐	सेनाएँ ☐
ङ.	बात ☐	बातें ☐	बातियाँ ☐	बतियों ☐

सर्वनाम पाठ योजना: 7

आज की अवधारणा

छात्रों को सर्वनाम शब्दों का बोध करना।

वचन के अनुसार सर्वनाम शब्दों के रूप बदल जाते हैं छात्रों को इसका ज्ञान कराते हुए उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में सर्वनाम संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- सर्वनाम शब्दों के बारे में सोचना और विचार करना।
- सर्वनाम शब्दों के एकवचन व बहुवचन रूप को ध्यान से पढ़ना व समझना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को सर्वनाम शब्दों का उपयोग व उसकी उपयोगिता समझाना।
- एकवचन व बहुवचन सर्वनाम संबंधी शब्दों का अलग-अलग उपयोग बताना।
- छात्रों को यह बताना कि लिंग बदलने पर सर्वनाम का रूप कभी नहीं बदलता। केवल क्रिया का रूप बदलता है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों को सर्वनाम संबंधी नियमों को जानने के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को नई उड़ान देना।

गतिविधियाँ

कक्षा में छात्रों को अपने लिए, सुनने वालों के लिए, अन्य व्यक्ति के लिए, निश्चित नाम के लिए, अनिश्चित नाम के लिए, प्रश्न करने के लिए, संबंध बताने के लिए उपयोग होने वाले सर्वनाम शब्दों के बारे में बताइए। फिर एक-एक छात्र से उनसे संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न पूछिए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध सर्वनाम संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर सर्वनाम संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में सर्वनाम संबंधी शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को सर्वनाम संबंधी शब्दों को बताना तथा उन शब्दों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• कक्षा में वार्तालाप करते हुए छात्रों को अपने, सुनने वाले व अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम शब्दों के बारे में बताएँ। • छात्रों को बताएँ कि प्रश्न करने के लिए भी सर्वनाम शब्द का प्रयोग होता है। • छात्रों को पहले बिना सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किए कुछ बोलने को कहें। बाद में फिर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके कुछ बोलने को कहें। इस तरह सर्वनाम शब्दों की उपयोगिता समझाएँ। • वचन के अनुसार सर्वनाम शब्दों का रूप बदल जाता है। छात्रों को इन बदलते स्वरूप का अभ्यास कराएँ।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुस्कराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. अपने लिए हम किस सर्वनाम का प्रयोग करते हैं?

अ. तुम्हारा ब. उसका स. हमारा

ख. वचन के अनुसार किसके रूप बदल जाते हैं?

अ. संज्ञा ब. सर्वनाम स. व्यंजन

ग. सर्वनाम शब्दों के क्या बदलते हैं?

अ. वचन अ. लिंग स. विशेषण

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. लिंग बदलने पर सर्वनाम का रूप न बदलने के स्थान पर क्या बदलता है?

....

ख. 'कौन' सर्वनाम शब्द से वाक्य बनाइए।

....

ग. 'किसे', 'किसने', 'किन्हें' आदि सर्वनाम शब्द किस लिए प्रयुक्त किए जाते हैं?

....

3. दिए गए सर्वनामों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क. किसका – ....

ख. हमें – ....

ग. आपको – ....

घ. कोई – ....

4. चित्र देखकर उचित सर्वनाम का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए।

राहुल को जानवरों से बहुत प्यार है। .... अपने घर में एक कुत्ता पाला हुआ है। .... कुत्ते का नाम टफ्फी है। टफ्फी बहुत तेज भौंकता है। राहुल जब भी टफ्फी को घुमाने के लिए बाहर ले जाता है तो .... अन्य कुत्तों को देखकर भौंकने लगता है। .... वजह से बाकी कुत्ते भी .... कि ओर देखकर भौंकने लगते हैं।

विशेषण पाठ योजना: 4

आज की अवधारणा

छात्रों को विशेषण शब्दों के बारे में बताना।

वचन के अनुसार सर्वनाम शब्दों के रूप बदल जाते हैं छात्रों को इसका ज्ञान कराते हुए उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में विशेषण संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- विशेषण शब्दों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- अन्य विशेषण शब्दों को जानने के बारे में,
- शब्दों को ध्यान से सुनकर उनकी विशेषता पता करने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को विशेषण शब्दों से अवगत कराना।
- छात्रों को आकार, अवस्था, रंग-रूप, संख्या/ नाप-तौल/ गुण-अवगुण और संकेत आदि विशेषणों की उपयोगिता बताना।
- अलग-अलग उदाहरणों द्वारा विशेषण को समझाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में विशेषण के नियमों को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

कक्षा को दो समूहों में विभाजित करके प्रत्येक समूह को कुछ-कुछ वाक्य दें। जो समूह सबसे अधिक सही उत्तर दे उसके लिए तालियाँ बजवाई जाएँ तथा अन्य समूह को सही उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में विशेषण संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर विशेषण संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में विशेषण शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को विशेषण संबंधी शब्दों को बताना तथा उनमें अन्य विशेषण शब्दों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को अलग-अलग चित्र दिखाकर पूछें कि उनमें कौन-कौन-सा विशेषण है। • छात्रों को आकार, अवस्था, रंग-रूप, संख्या, गुण-अवगुण, संकेत आदि के विशेषण शब्दों के बारे में बताइए। • छात्रों को अपने आस-पास की चीज़ों को देखकर उनके विशेषण शब्दों के बारे में बताइए।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्यः अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का लगाइए लगाएँ-

क. विशेषण शब्दों से किसकी विशेषता पता चलती है?

अ. केवल संज्ञा की　　ब. केवल सर्वनाम की

स. संज्ञा अथवा सर्वनाम दोनों की

ख. 'आरुषि के बाल बहुत घने हैं' वाक्य में विशेषण शब्द कौन-सा है?

अ. आरुषि　　ब. घने　　स. बाल

ग. 'गरीब व्यक्ति की मदद करनी चाहिए' वाक्य में व्यक्ति की विशेषता क्या है?

अ. गरीब ब. मदद स. चाहिए

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. विशेषण किसे कहते हैं?

....

ख. 'सुंदर' विशेषण से वाक्य बनाइए।

....

ग. चाचा नेहरू अपने कोट में किस रंग का गुलाब लगाते थे?

....

3. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द को रेखांकित कीजिए।

क. चाय में दो चम्मच चीनी डाल दीजिए।

ख. महेश बहादुर लड़का है।

ग. रविका दिखने में सुंदर है।

घ. उसने दो किताबें खरीदीं।

ङ. जुगनू रात में चमकते हैं।

क्रिया

पाठ योजना: 9

आज की अवधारणा

छात्रों को क्रिया के बारे में बताना।

क्रिया शब्द से किसी कार्य के करने या होने का पता चलता है, छात्रों को क्रिया प्रयोग समझाना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पढ़ाए गए पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करना ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में क्रिया संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- क्रिया के बारे में सोचने और विचार करने में,
- क्रिया की उपयोगिता व उसके प्रयोग के बारे में

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करने वाले क्रिया शब्दों का आत्मसातीकरण करना।
- छात्रों को अवगत कराना कि क्रिया का रूप लिंग व वचन के अनुसार बदलता है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

कक्षा में छात्रों को अकमर्क व सकमर्क क्रिया के बारे में बताकर उनसे अकर्मक व सकर्मक क्रिया से जुड़े छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। इससे उन्हें क्रिया के दोनों भेदों का भली-भाँति ज्ञान होगा और वह उन प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध क्रिया संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर क्रिया व उसके भेदों से संबंधित वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में क्रिया व उसके भेदों से संबंधित चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को सर्वनाम संबंधी शब्दों को बताना तथा उत्सुक्ता जागृत करना।	• छात्रों को बताना कि कुछ काम हमारे द्वारा किए जाते है जैसे- खेलना, लिखना आदि तथा कुछ काम स्वयं होते हैं जैसे- सूर्य का निकलना, फूलों का खिलना आदि। • छात्रों को अवगत कराएँ कि जिस क्रिया के साथ कर्म की आवश्यकता होती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं, तथा जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. काम का करना या होना क्या कहलाता है?

अ. संज्ञा   ब. सर्वनाम   स. क्रिया

ख. 'राकेश पढ़ता है' वाक्य में कौन-सी क्रिया हो रही है?

अ. सोने की   ब. पढ़ने की   स. रोने की

ग. क्रिया के कितने भेद हैं?

अ. दो   ब. तीन   स. चार

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. क्रिया की परिभाषा दीजिए।

....

ख. सकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

....

ग. अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

....

3. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनमें से जो शब्द क्रिया नहीं हैं, उन पर (✓) का निशान लगाइए।

क.	रीता ☐	नहाना ☐	चलना ☐
ख.	मदारी ☐	सजाना ☐	रामू ☐
ग.	बहना ☐	दीपक ☐	चमकना ☐
घ.	दीदी ☐	खेलना ☐	वाक्य ☐
ङ.	गाना ☐	पौधा ☐	रोना ☐

4. दिए गए वाक्यों में से क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए।

क. हाथी चल रहा है।

ख. बच्चे खेल रहे हैं।

ग. रवि पतंग उड़ा रहा है।

घ. राधिका पढ़ रही है।

अशुद्धि-शोधन

पाठ योजना: 10

आज की अवधारणा

छात्रों को अशुद्धि-शोधन के बारे में बताना। अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप से परिचित कराना। वर्तनी तथा वाक्यों की अशुद्धियों से अवगत कराना तथा उन अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी क्रिया व उसके भेदों के बारे में पहले से परिचित हैं। उन्हें पता है कि क्रिया से हमें काम के होने का पता चलता है तथा क्रिया से ही वाक्य पूर्ण होते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् छात्रों में अशुद्धि-शोधन के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूपों को जानने में,
- हिंदी भाषा को शुद्ध रूप से लिखने और बोलने में,
- वर्तनी तथा वाक्यों की अशुद्धियों को पहचानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि अशुद्धि-शोधन क्या है।
- वर्तनी तथा वाक्यों की अशुद्धियों को समझाना।
- छात्रों में अशुद्धियों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना और उसकी जानकारी देना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में वर्तनी तथा वाक्यों की अशुद्धि-शोधन के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

अध्यापक श्यामपट्ट पर कुछ शुद्ध व अशुद्ध शब्दों को लिखें तथा छात्रों को अपनी कार्य-पुस्तिका में शुद्ध व अशुद्ध शब्दों को अलग-अलग करके लिखने को कहें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध अशुद्धि-शोधन संबंधी पुस्तकें।

- यूट्यूब पर शुद्ध उच्चारण संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप की जानकारी देने वाले चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि हिंदी भाषा की जानकारी के लिए यह आवश्यक है कि हमें अशुद्धियों के बारे में पूरा ज्ञान हो। जब हमें अपनी अशुद्धियों का पता होगा तभी हम शुद्ध रूप से लिख और बोल सकेंगे।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को अशुद्धि-शोधन के संबंध में बताना। उनमें अशुद्धियों को जानने के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करना।	• छात्रों को बताएँ अशुद्धियाँ प्रायः दो प्रकार की होती हैं—वर्तनी की अशुद्धियाँ तथा वाक्य की अशुद्धियाँ। • हम जिस प्रकार शब्दों को बोलते हैं। उसी प्रकार लिखते हैं। यह वर्तनी संबंधी अशुद्धि हमारे अशुद्ध उच्चारण के कारण होती है। • व्याकरण के नियमों का पर्याप्त ज्ञान न होना भी अशुद्ध वर्तनी के निरंतर प्रयोग का बड़ा कारण है। • उन्हें बताएँ कि शुद्ध भाषा के ज्ञान के लिए प्रतिदिन सुलेख-लेखन करना चाहिए। • फिर उन्हें समझाएँ कि वाक्यों पर ही प्रत्येक भाषा का मूल ढाँचा आधारित होता है, इसलिए वाक्य-रचना करते समय पदक्रम का विशेष ध्यान रखना चाहिए। • वाक्य-रचना में पदक्रम का ध्यान न रखने पर कई प्रकार की भूलें हो जाती हैं। • छात्रों को बताएँ कि उन्हें सदैव शुद्ध उच्चारण करना चाहिए ताकि उनका लेखन भी शुद्ध हो सके। • वाक्य को बोलते व लिखते समय उसकी शुद्धता, स्पष्टता व सार्थकता का ध्यान रखना आवश्यक है।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. वाक्यों को शुद्ध करके दोबारा लिखिए।

क. मेरे को दूध पीना नहीं है।

....

ख. आकाश पर उड़ रही हैं पतंगें।

....

ग. हम आपसे कहे थे।

....

घ. मैंने यह काम नहीं करुँगा।

....

2. दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द पर गोला लगाइए।

क.	धनयवाद	धन्यवाद	धनियावाद
ख.	राजनीति	राजनीती	राजीनीति
ग.	लिखवट	लिवाखट	लिखावट
घ.	चूहिया	चुहिया	चूइया
ङ.	सहायत	सहाइयता	सहायता

3. दिए गए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए।

क. ककछा – ....

ख. पहेलि – ....

ग. बचचा – ....

घ. गीलास – ....

ङ. लड़कि – ....

च. गूलाब – ....

4. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप वर्ग-पहेली में से ढूँढकर लिखिए।

अशुद्ध	**शुद्ध**
अरथ	अर्थ
समराज्ञी	....
लकढ़ी	....
चमकिला	....
कोशल	....
आकाश	....
आवशयक	....

जी	क	रे	ट	फ	म
म	सा	म्रा	ज्ञी	ल	च
पी	आ	व	श्य	क	म
ख	का	स	ला	ड़ी	की
कौ	श	ल	ञ	लो	ला
टी	र	व	न	ङ	ट

समानार्थी शब्द (पर्यायवाची शब्द)

पाठ योजनाः 11

आज की अवधारणा

छात्रों को समानार्थी शब्द का अर्थ समझाना। समानार्थी शब्द की परिभाषा से अवगत कराना तथा समानार्थी शब्दों के उदाहरण द्वारा समझाना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि हम दैनिक जीवन में कई ऐसे शब्दों को बोलते हैं, जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में समानार्थी शब्दों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- समान अर्थ के प्रयोगों को जानने में,
- सुने गए शब्दों को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका समान अर्थ वाला शब्द बताने में,
- दैनिक जीवन में समान अर्थ के महत्व को जानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि समानार्थी शब्दों की जीवन में कितनी उपयोगिता है।
- दैनिक जीवन में समानार्थी शब्दों का अलग-अलग प्रयोग बताना।
- छात्रों को यह बताना कि समानार्थी शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहा जाता है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में समानार्थी शब्दों को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

अपने आस-पास की अलग-अलग वस्तुओं या चित्रों को देखकर उनके अन्य नामों का पता करके अपनी कार्य-पुस्तिका में लिखना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध समानार्थी शब्द संबंधी पुस्तकें।

- यूट्यूब पर समानार्थी शब्द संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में समानार्थी शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि समान अर्थ देने वाले शब्दों को समानार्थी शब्द कहा जाता है।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को समानार्थी शब्दों के संबंध में बताना। उनमें अनेक शब्दों के उदाहरणों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि समानार्थी शब्दों के कुछ नियम होते हैं। यदि उन नियमों का पालन ठीक ढंग से नहीं किया जाए तो समानार्थी शब्दों में अस्पष्टता रह जाती है। • अध्यापक उन्हें इस बात से अवगत कराएँ कि किसी भी वस्तु के पर्यायों का जन्म उसके गुण, रूप, अवस्था आदि को देखकर होता है। • पर्यायवाची शब्द अधिकांशत: रूढ़ शब्द होते हैं। इनका प्रयोग करने से पहले यह जान लें कि प्रत्येक स्थिति में किसी शब्द की जगह उसके पर्यायवाची शब्द का प्रयोग संभव नहीं होता। • अध्यापक उदाहरण सहित वाक्यों में इन शब्दों का अंतर समझाए। • बच्चों को चित्र या चार्ट पेपर दिखाकर समानार्थी शब्दों के बारे में पूछें। • श्यामपट्ट पर एक वर्ग-पहेली बनाकर उसमें कुछ शब्द लिखें। फिर छात्रों को कुछ शब्द लिखवाकर उनके पर्यायवाची वर्ग-पहेली में से ढूँढकर लिखने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य: अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. पाठ में माता को क्या कहा गया है?

अ. अब्बा ब. अम्मा स. अल्ला

ख. समान अर्थ देने वाले शब्दों को क्या कहते हैं?

अ. विपरीतार्थी ब. वाक्यांश स. समानार्थी

ग. 'पहाड़' शब्द का समानार्थी शब्द कौन-सा है?

अ. पर्वत ब. आकाश स. धरती

घ. समानार्थी शब्दों को और किस नाम से जाना जाता है?

अ. एकार्थी ब. विपरीतार्थी स. पर्यायवाची

2. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लीजिए।

क. तालाब – .... , ...

ख. संसार – .... , ...

ग. वायु – .... , ...

घ. मनुष्य – .... , ...

ङ. इच्छा – .... , ...

च. पानी – .... , ...

3. सही पर्यायवाची शब्द को पहचान कर उस पर गोला लगाएँ।

क.	चाँद	– चाँदनी	चंदन	चंद्रमा
ख.	गगन	– आसमान	पवन	मगन
ग.	भू	– रवि	पृथ्वी	कवि
घ.	चाह	– इच्छा	जहाँ	चाल
ङ.	आँख	– नाक	कान	नेत्र

विलोम शब्द (उलटे अर्थ वाले शब्द) पाठ योजना: 12

आज की अवधारणा

छात्रों को विलोम का अर्थ समझाना। विलोम शब्द की परिभाषा से अवगत कराना तथा विलोम शब्दों को उदाहरण द्वारा समझाना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि समान अर्थ देने वाले शब्दों को समानार्थी शब्द कहते हैं। इनके प्रयोग के कुछ नियम होते हैं, जिनका पालन न करने से उनके प्रयोग में अस्पष्टता रह जाती है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में विलोम शब्दों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- विलोम शब्दों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- शब्दों को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका विलोम बताने में,
- दैनिक जीवन में विलोम शब्दों के महत्व को समझने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि जीवन में विलोम शब्दों कि कितनी उपयोगिता है।
- दैनिक जीवन में विलोम शब्दों का महत्व व प्रयोग बताना।
- छात्रों को यह बताना की विलोम शब्दों को विपरीतार्थक शब्द भी कहते हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में विलोम शब्दों को जानने के प्रति कौतुहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

- अलग-अलग चित्रों का संग्रह करके अपनी कार्य-पुस्तिका में विलोम-शब्द की तरह लगाना; जैसे–अमीर-गरीब, गरम चीय-ठंडी चीज आदि।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध विलोम शब्द संबंधी पुस्तकें।

- यूट्यूब पर विलोम शब्द संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में विलोम शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि विलोम का अर्थ उलटा होता है। इसे विपरीतार्थक शब्द भी कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः पाठ के बारे में बताना व पाठ पढ़ने के बाद अन्य क्रियाओं को जानने संबंधी जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• छात्रों को बताएँ कि हमारे जीवन में विलोम शब्दों का व्यवहार होता ही रहता है। • उन्हें बताएँ कि किसी शब्द का विलोम जानना उनके लिए कितना आवश्यक है। • छात्रों को आस-पास के उदाहरणों से विलोम शब्द और उनके अर्थ स्पष्ट करें। • कक्षा को दो समूहों में विभाजित करें। एक समूह को विलोम शब्द देकर दूसरे समूह को उन शब्दों के उलटे शब्द बोलने को कहें। जिससे छात्र विलोम शब्दों को अच्छी तरह से समझ सकेंगे। • पाठ के मूल बिंदुओं को संक्षिप्त रूप में छात्रों के समक्ष रखें ताकि छात्र विलोम शब्दों को अच्छे से समझ सकें। • इस प्रकार उनके वाचन एवं चिंतन कौशल में वृद्धि करते हुए उनके आत्मविश्वास को बल प्रदान करें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. उलटे अर्थ वाले शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

क. अंदर गीला है और .... सूखा।

ख. वह सुबह ऑफिस जाती है और .... को आती है।

ग. सर्दियों में अँधेरा जल्दी हो जाता है और .... देर में।

घ. अनेक मक्खियों में .... रानी मक्खी थी।

ङ. पिता जी ने नया घर खरीदकर .... बेच दिया।

2. उलटे अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए।

क.	देशी	अमृत
ख.	कड़वा	मीठा
ग.	खुशबू	देशी
घ.	अपना	दोष
ङ.	गुण	पराया
च.	विष	बदबू

3. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

क. साफ – ....

ख. परिश्रमी – ....

ग. मौखिक – ....

घ. सरल – ....

ङ. ऊपर – ....

वाक्यांश के लिए एक शब्द

पाठ योजना: 13

आज की अवधारणा

छात्रों को वाक्यांश के लिए एक शब्द समझाना। उसकी परिभाषा से अवगत कराना तथा उदाहरणों द्वारा समझाना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि वाक्य के अंतर्गत विभिन्न शब्द आते हैं और वाक्य का अंश ही वाक्यांश होता है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वाक्यांश के लिए एक शब्द को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- वाक्यांशों के लिए एक शब्दों को जानने में,
- वाक्यांशों को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका एक शब्द बताने में,
- दैनिक जीवन में वाक्यांश के लिए एक शब्द के महत्व को जानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को वाक्यांश के लिए एक शब्द के बारे में बताना।
- भाषा में संक्षिप्ता किस प्रकार लाई जाती है? यह समझाना।
- भाषा को सरल व प्रभावशाली बनाने हेतु वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है, यह बताना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

श्यामपट्ट पर एक वर्ग-पहेली बनाएँ और उसमें एक शब्द से संबंधित शब्दों को अपूर्ण रूप में लिखें तथा छात्रों को वाक्यांश देते हुए कहें कि सभी अपनी-अपनी उत्तर-पुस्तिका में इन्हें पूरा करके लिखें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध वाक्यांश के लिए एक शब्द संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर वाक्यांश के लिए एक शब्द संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में वाक्यांश के लिए एक शब्द की जानकारी देने वाले चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि वाक्यांश के लिए एक शब्द का अर्थ है वाक्य का अंश अर्थात् वाक्य के कुछ हिस्से में जितने शब्द आए हैं, उनके लिए एक शब्द का प्रयोग।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को वाक्यांश के लिए एक शब्द के बारे में बताना। उनमें शब्दों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिसका विस्तृत रूप न लिखकर उन्हें एक शब्द में ही समेट दिया जाता है। • भाषा को सरल एवं प्रभावशाली बनाने के लिए वाक्यांश के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जाता है। • अच्छी रचना के लिए भी यह आवश्यक हो जाता है कि कम से कम शब्दों में विचार प्रकट किए जाएँ। • अध्यापक यह भी बताएँ कि भाषा में यह सुविधा भी होनी चाहिए कि वक्ता या लेखक कम से कम शब्दों में संक्षेप में बोलकर या लिखकर विचार अभिव्यक्त कर सकें। • उन्हें समझाएँ कि कम शब्दों के माध्यम से अधिक से अधिक बात कह जाने से भाषा में सजीवता एवं जीवतंता दिखाई पड़ती है। • अत: कम से कम शब्दों में अधिकाधिक अर्थ को प्रकट करने के लिए 'वाक्यांश' या शब्द-समूह के लिए एक शब्द का विस्तृत ज्ञान होना आवश्यक है।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य: अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए वाक्यांशों से उचित शब्दों का मिलान कीजिए।

1.	जिसमें शक्ति हो	कुम्हार
2.	जिसके हृदय में दया हो	सत्यवादी
3.	जो सप्ताह में एक बार हो	शक्तिमान
4.	जिसमें शक्ति न हो	दयालु
5.	घड़ा बनाने वाला	साप्ताहिक
6.	जो सदा सत्य बोलें	शक्तिहीन

2. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. राजू हमेशा दूसरों की भलाई करता है इसलिए वह .... है।
2. राजेश में समझ नहीं है इसलिए वह .... है।
3. प्रतियोगिता दर्पण नाम की पत्रिका महीने में एक बार आती है इसलिए उसे .... पत्रिका कहते हैं।
4. रीछ को देखकर छोटे बच्चों को डर लगता है इसलिए वह उनके लिए .... जानवर है।

3. वाक्यांशों के लिए उनका उचित शब्द ढूँढकर उस पर सही (✓) का निशान लगाएँ।

1.	लोहे का काम करने वाला	-	कवि	गायक	लुहार
2.	काम से जी चुराने वाला	-	निडर	कामचोर	सच्चा
3.	मूर्ति बनाने वाला	-	मूर्तिकार	सब्जीवाला	दूधवाला
4.	जिसका भाग्य बहुत अच्छा हो	-	भाग्यहीन	भाग्यवान	भाग्यमान
5.	जल में विचरण करने वाला	-	जलचर	जलमर	शलघर

मुहावरे

पाठ योजना: 14

आज की अवधारणा

छात्रों को मुहावरों के बारे में बताना। मुहावरों की परिभाषा से अवगत कराकर उसके प्रयोग को समझाना। मुहावरों के अर्थ स्पष्ट करते हुए उसका वाक्य में प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी भिन्न-भिन्न मुहावरों के बारे में जानते हैं, उन्हें पता है कि मुहावरे के प्रयोग से भाषा रोचक एवं प्रभावशाली बन जाती है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में मुहावरों के प्रयोगों को जानने संबंधी रुचि उत्पन्न होगी तथा वे सक्षम होंगे–

- मुहावरों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- भाषा में मुहावरों का महत्व जानने में,
- भाषा में मुहावरों का प्रयोग करने से क्या होता है, यह जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- मुहावरे शब्द की परिभाषा से परिचित कराना।
- भाषा में मुहावरों का प्रयोग व उसका महत्व समझाना।
- मुहावरों के अर्थ जानने के प्रति रुचि उत्पन्न करके वाक्य में मुहावरे प्रयोग करने हेतु प्रेरित करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के भीतर मुहावरों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करने हेतु भाषा को प्रभावी बनाने के लिए अभिप्रेरित करना।

गतिविधियाँ

छात्रों को अलग-अलग चित्र दिखाकर उनसे संबंधित या बनने वाले मुहावरों के बारे में पूछें तथा उन्हें अपनी कार्य-पुस्तिका में लिखें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध मुहावरे संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर मुहावरों के अर्थ संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में शरीर के अंगों से संबंधित जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें तथा छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक नए अध्याय 'मुहावरे' के साथ होगी। उन्हें आज की अवधारणा से परिचित कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को मुहावरे के बारे में बताना। उनमें मुहावरों के अर्थों को जानने के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करना।	• छात्रों को बताएँ कि भाषा को रोचक एवं प्रभावशाली बनाने के लिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है। मुहावरों द्वारा कम शब्दों में बहुत कुछ कह दिया जाता है। • मुहावरे अपने शाब्दिक अर्थ के लिए प्रयुक्त न होकर विशेष अर्थ के लिए प्रयुक्त होते हैं। • मुहावरे की परिभाषा तथा उसके उदाहरणों को समझाने के बाद उन्हें शरीर के अंगों से संबंधित मुहावरों के बारे में बताएँ। • छात्रों को अलग-अलग समूहों में बाँटकर उन्हें मुहावरे का प्रयोग करने को कहें। • उनके समक्ष सरल-सरल मुहावरे बोलकर उनसे उनके अर्थ भी पूछे जा सकते हैं। • छात्रों को अलग-अलग चित्रों को जोड़कर बनने वाले मुहावरे व उनके अर्थ लिखकर लाने को भी कह सकते हैं। इससे छात्र भली-भाँति मुहावरे विषय से परिचित हो जाएँगे।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्यः अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. चित्र से संबंधित मुहावरे लिखो?

क.

\+ + –

....

ख. + –

....

ग. + –

....

घ. –

....

2. दिए गए मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क. कान भरना – ....।

ख. हिम्मत न हारना – ....।

ग. धूल चटाना – ....।

घ. उल्लू बनाना – ....।

3. मुहावरों का उनके अर्थों से मिलान कीजिए।

क. नाच उठना	हानि पहुँचाना
ख. ईद का चाँद होना	गुस्सा करना
ग. किस्मत चमकना	प्रसन्न होना
घ. आँख दिखाना	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
ङ. चूना लगाना	भाग्य खुलना

कैलेंडर और त्योहार पाठ योजना: 15

आज की अवधारणा

छात्रों को हिंदी भाषा में दिनों एवं महीनों के नाम तथा किस त्योहार को कौन-से महीने में मनाया जाता है, इस बात से अवगत कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र अंग्रेज़ी भाषा में दिनों एवं महीनों के नामों को बोलना व लिखना जानते हैं। वे समय-समय पर विभिन्न त्योहार मनाते रहते हैं किंतु कौन-सा त्योहार किस महीने में मनाया जाता है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् छात्र निम्न में सक्षम हो सकेंगे–

- सप्ताह तथा महीनों के हिंदी नामों को जानने में,
- लीप वर्ष को जानने में,
- राष्ट्रीय तथा सामाजिक त्योहार को जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को हिंदी भाषा की उपयोगिता से अवगत कराना।
- राष्ट्रीय तथा सामाजिक त्योहार के मध्य का अंतर स्पष्ट करना।
- किस महीने में कौन-सा त्योहार आता है, इससे परिचित कराना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके सप्ताह तथा महीनों के हिंदी नाम जानने एवं उनके दैनिक जीवन में प्रयोग हेतु उन्हें अभिप्रेरित करना।

गतिविधियाँ

छात्रों को अंग्रेज़ी कैलेंडर दिखाकर उनसे उनके हिंदी नाम तथा प्रत्येक महीने में आने वाले त्योहारों के नाम भी पूछें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- यूट्यूब पर विभिन्न महीनों तथा उनमें आए त्योहारों को बताते वीडियो क्लिप्स।
- हिंदी में सप्ताह व महीनों के नामों को दर्शाता चित्रात्मक चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें तथा छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक नवीन अध्याय से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें आज अधिकांशत: वह जानकारी दी जाएगी जो उनके पास पहले से है, पर वे उससे अनभिज्ञ हैं। उन्हें आज की अवधारणा से परिचित कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को (हिंदी में) दिनों, महीनों के नाम तथा उन महीनों में आए त्योहारों से परिचित कराना। हिंदी भाषा के प्रति उनकी रुचि उत्पन्न करना।	• छात्रों, आप सभी को यह ज्ञात है कि एक सप्ताह में सात दिन होते हैं और एक वर्ष में बारह महीने होते हैं। इन बारह महीनों में अनेक त्योहार आते हैं। • अधिकतर महीनों में 30 या 31 दिन होते हैं। केवल फरवरी में 28 दिन होते हैं। • उन्हें बताएँ कि हर चार साल बाद फरवरी में 1 दिन बढ़ जाता है, इसे 'लीप वर्ष' कहते हैं। • छात्रों से पूछें कि किस महीने में कितने दिन आते हैं। • भारत त्योहारों का देश है यहाँ राष्ट्रीय तथा सामाजिक त्योहार मनाए जाते हैं। उन्हें राष्ट्रीय एवं सामाजिक त्योहारों के मध्य का अंतर स्पष्ट करें। • उनसे पूछें कि आपको कौन-सा त्योहार पसंद है तथा आप उसे कैसे मनाते हैं। • उन्हें बताएँ कि किस महीने में कौन-सा त्योहार मनाया जाता है। • उनसे बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें, जैसे– (i) 'श' से कौन-से दिन का नाम आता है? (ii) सप्ताह के आखिरी दिन के बाद वाले दिन का हिंदी नाम बताएँ। (iii) 'मार्च' के बाद कौन-सा महीना आता है? (iv) 'दीपावली' किस महीने में मनाई जाती है?
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन समय : पाँच मिनट	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ।

क. सात दिन किसमें होते हैं?

(अ) महीने में (ब) सप्ताह में (स) वर्ष में

ख. एक वर्ष में कितने महीने होते हैं?

(अ) दस (ब) ग्यारह (स) बारह

ग. किस महीने में सबसे कम दिन होते हैं?

(अ) फरवरी (ब) अप्रैल (स) सितंबर

ख. प्रत्येक चार साल बाद फरवरी में एक दिन बढ़ जाता है, इसे कौन-सा वर्ष कहते हैं?

(अ) पील वर्ष (ब) लीप वर्ष (स) मील वर्ष

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. हमारे देश में कितने प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं?

....

....

ख. राष्ट्रीय त्योहार किन्हें कहते हैं?

....

....

ग. सामाजिक त्योहार किन्हें कहते हैं?

....

....

3. बताओ तो जानें -

क. सप्ताह के छठवें दिन का नाम - ....

ख. 'गांधी जयंती' किस महीने में मनाई जाती है? - ....

ग. रक्षाबंधन कौन-से माह में आता है? - ....

घ. साल का अंतिम महीना कौना-सा है? - ....

4. मिलान कीजिए -

रंगों का त्योहार	26 जनवरी
बहन का भाई को राखी बाँधना	जन्माष्टमी
भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन	होली
प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले पर झंडा फहराना	15 अगस्त
विभिन्न राज्यों की झांकियों की परेड	रक्षाबंधन

गिनती

पाठ योजनाः 16

आज की अवधारणा

छात्रों को अंग्रेज़ी अंकों को हिंदी अंकों तथा हिंदी शब्दों में कैसे लिखा जाता है, इस बात से अवगत कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्रों को यह ज्ञात है कि एक से बीस तक की गिनती को शब्दों में कैसे लिखा जाता है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्र निम्नलिखित में सक्षम हो सकेंगे–

- एक से पचास तक के अंग्रेज़ी अंकों को हिंदी अंकों में लिखने में,
- एक से पचास तक के अंग्रेज़ी अंकों को हिंदी शब्दों में लिखने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- हिंदी अंकों को हिंदी शब्दों में परिवर्तित करना सिखाना।
- दैनिक जीवन में हिंदी अंकों तथा हिंदी शब्दों का प्रयोग करने के लिए अभिप्रेरित करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के भीतर हिंदी भाषा के प्रति लगाव उत्पन्न करते हुए उन्हें हिंदी अंकों एवं शब्दों को जानने के लिए जिज्ञासु बनाना।

गतिविधियाँ

अध्यापक छात्रों से प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्रों को हिंदी शब्दों का ज्ञान कराएँ। उदाहरणार्थः कोई अंक बोलकर यह पूछें कि इससे पहले अथवा बाद में आने वाले अंक को हिंदी शब्द के अनुरूप बताइए। यदि हम दो दर्जन संतरे खरीदेंगे तो हिंदी शब्दों में उसके अंदर कुल कितने संतरे आएँगे।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- एक से पचास तक की गिनती को हिंदी अंकों व शब्दों में दर्शाता चार्ट पेपर।
- यूट्यूब पर अंग्रेज़ी एवं हिंदी अंकों तथा हिंदी शब्दों के वीडियो क्लिप्स।
- विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी गिनती से संबंधित पुस्तकें।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक नए अध्याय के साथ होगी। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को हिंदी में गिनती का ज्ञान कराना। गिनती के माध्यम से उनके भीतर हिंदी भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करना।	• छात्रों, आप सभी जानते हैं कि हमारे दैनिक जीवन में गिनती की कितनी महत्ता है। हमें अपने लगभग हर कार्य में गणना की आवश्यकता होती है। • छात्रों को गिनती वाला चित्रात्मक चार्ट पेपर दिखाते हुए उन्हें अपने पीछे-पीछे दोहराने को कहें। • उन्हें बताइए कि प्रत्येक भाषा में उसकी अपनी संख्याएँ होती हैं इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हमें भी अपनी हिंदी भाषा में संख्याओं को लिखना आना चाहिए। • उनसे पूछें कि वे अपने किन-किन कार्यों में गणना का प्रयोग करते हैं। • उन्हें हिंदी अंकों एवं शब्दों में गिनती का अभ्यास कराते हुए छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य: अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. अंकों में दिए गए गिनती के सही शब्दों पर सही (२) का निशान लगाइए।

क. ४१ – इकतालीस ☐ बयालीस ☐

ख. २९ – तीस ☐ उनतीस ☐

ग. २२ – इक्कीस ☐ बाईस ☐

घ. १२ – बारह ☐ चौदह ☐

ङ. ३७ – अड़तीस ☐ सैंतीस ☐

2. **दिए गए निर्देशानुसार खाली जगह भरिए।**

क. मेरे घर में कुल .... (हिंदी अंकों में) सदस्य हैं।

ख. हमारे दोनों हाथों तथा पैरों में कुल .... (शब्दों में) अँगुलियाँ हैं।

ग. हमारी कक्षा में छात्रों की संख्या .... (शब्दों में) है।

घ. अट्ठाईस से पहले .... (हिंदी अंकों में) आता है।

ङ. 11 + 5 + 9 = ... (हिंदी अंकों में) होते हैं।

3. **दिए गए अंग्रेजी अंकों को हिंदी अंकों और हिंदी शब्दों में लिखो–**

अंग्रेजी अंक	हिंदी शब्द	हिंदी अंक
क. 35	....	....
ख. 27	....	....
ग. 36	....	....
घ. 45	....	....
ङ. 32	....	....
च. 17	....	....
छ. 19	....	....
ज. 29	....	....

पत्र-लेखन

पाठ योजनाः 17

आज की अवधारणा

छात्रों को पत्र-लेखन की महत्ता से अवगत कराते हुए औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र के बारे में जानकारी प्रदान करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्रों को यह ज्ञात है कि पत्रों के माध्यम से आपसी संपर्क बनाए रखा जा सकता है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्र पत्र-लेखन के विषय में जान पाएँगे तथा वे सक्षम हो सकेंगे–

- पत्र-लेखन संबंधी आवश्यक बातों को समझकर पत्र लिखने में,
- औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र की पहचान करने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र में अंतर करना।
- पत्रों की उपयोगिता से अवगत करना।
- पत्रों के प्रकार के अनुरूप भाषा का प्रयोग करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के भीतर पत्र-लेखन के प्रति कौतूहल उत्पन्न करना ताकि वे पत्र के प्रकारों के अनुरूप भाषा प्रयोग कर सके।

गतिविधियाँ

विद्यार्थी अध्यापक के निर्देशन में पत्र के प्रारूप के अनुसार अपने सहपाठी अथवा मित्र को अंतर्देशीय पत्र लिखकर पत्र-पेटिका (लैटर बॉक्स) में डालेंगे।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में पत्र-लेखन संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र के प्रारूप संबंधी वीडियो क्लिप्स।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्‌देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। कुल समय: पाँच मिनट	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक नए अध्याय के साथ होगी। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्‌देश्य : छात्रों को पत्र-लेखन के संबंध में बताना। उनके भीतर पत्र-लेखन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• छात्रों, पत्र संदेश पहुँचाने का एक सस्ता व अच्छा साधन है। • उन्हें बताएँ कि पत्र दो प्रकार के होते हैं—औपचारिक व अनौपचारिक। • पत्र की भाषा सरल तथा पत्र के प्रकार के अनुरूप होनी चाहिए। • छात्रों से पूछें कि क्या आपने कभी किसी को कोई पत्र लिखा है। यह पत्र आपने किसे लिखा तथा वह पत्र का कौन-सा प्रकार था। • उन्हें औपचारिक व अनौपचारिक पत्र के प्रारुप को समझाएँ। • पत्र मुख्य संदेश तथा इच्छित विचार-बिंदुओं को ध्यान में रखकर लिखा जाना चाहिए।
पाठ की समाप्ति	
उद्‌देश्य: अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. **एक वाक्य में उत्तर दीजिए।**
   क. पत्र के दो प्रकार कौन-से हैं?
   ....
   ख. अनौपचारिक पत्र कौन-से होते हैं?
   ....
   ग. बाहरी या औपचारिक पत्र किन्हें लिखा जाता है?
   ....
2. **जन्मदिन पर उपहार भेजने के लिए अपने मामा जी को धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।**
3. **कक्षा में प्रथम आने पर अपने चाचा जी को पत्र लिखिए।**
   (स्थान) ....

नई दिल्ली

(दिनांक) ....

आदरणीय चाचा जी

प्रणाम,

मैं कुशलपूर्वक हूँ। आशा है आप और ....। आपको यह बताने में बहुत खुशी हे रही है कि मैं इस बार भी ....। मेरे 96 प्रतिशत ....। यह सब आपके आशीर्वाद का फल है, जो मुझे मेहनत .... प्रेरित करता है। मैं गरमी की छुट्टियों .... और आपसे ढेर सारी ....।

आपका भतीजा

(आपका नाम)

....

अनुच्छेद-लेखन

पाठ योजना: 18

आज की अवधारणा

छात्रों को अनुच्छेद के बारे में समझाते हुए कम-से-कम शब्दों में किसी भी विषय पर अनुच्छेद-लेखन हेतु प्रेरित करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी विभिन्न विषयों से संबंधित अनुच्छेद पढ़ते आए हैं तथा उनको पढ़ने के दौरान उनके एक चित्र-सा उनके मस्तिष्क में उभरकर अंकित हो जाता है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में अनुच्छेद-लेखन संबंधी रुझान उत्पन्न होगा तथा वे निम्न में सक्षम हो सकेंगे–

- किसी भी विषय पर स्वयं अनुच्छेद-लेखन करने में,
- अनुच्छेद-लेखन के दौरान ध्यान दी जाने वाली बातों को समझने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- अनुच्छेद-लेखन के महत्व से परिचित कराना।
- छात्रों की कल्पनात्मक तथा रचनात्मक शक्ति को विकसित करना।
- अनुच्छेद-लेखन के प्रति रुचि उत्पन्न करते हुए लेखन हेतु प्रेरित करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों की कल्पनात्मकता एवं रचनात्मकता को नवीन दिशा प्रदान करते हुए अनुच्छेद-लेखन हेतु अभिप्रेरित करना।

गतिविधियाँ

किसी विषय से संबंधित चित्र दिखाते हुए छात्रों को अपनी कार्य-पुस्तिका में अनुच्छेद लिखने को कहना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध अनुच्छेद संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर अनुच्छेद-लेखन संबंधी बातों को प्रदर्शित करते वीडियो क्लिप्स।

- विभिन्न विषयों पर आधारित चित्रात्मक चार्ट पेपर जिन्हें देखकर छात्र अनुच्छेद की कल्पना कर सके।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें तथा छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक नए अध्याय 'अनुच्छेद-लेखन' के साथ होगी। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को अनुच्छेद-लेखन के संबंध में बताना। उनमें अनुच्छेद-लेखन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।	• छात्रों, आप अपने आस-पास बहुत-सी चीज़ें देखते हैं, जब आप इन चीज़ों के बारे में किसी को बताते हैं तो उसके मन में उन वस्तुओं-व्यक्तियों का चित्र-सा बनने लगता है। जब हम इसे ही लिखकर प्रकट करते हैं तो पाठक के मन-मस्तिष्क में एक चित्र-सा बनने लग जाता है। • छोटे-छोटे वाक्यों में उन वस्तुओं-व्यक्तियों के बारे में लिखना ही अनुच्छेद कहलाता है। • उन्हें बताएँ कि अनुच्छेद-लेखन में भूमिका, विषय-विस्तार और मूल्यांकन-सब एक ही अनुच्छेद में लिखा जाना चाहिए। इसमें अलग-अलग अनुच्छेद नहीं बनाने चाहिए। • अनुच्छेद-लेखन के दौरान जिन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए, उन्हें छात्रों को स्पष्ट करें। • छात्रों को कोई चित्र दिखाकर उन्हें संकेत देते हुए अपने विचार प्रकट करने को कहें। • उन्हें बताएँ कि पूरे अनुच्छेद में एकरूपता होनी चाहिए।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

निम्नलिखित विषयों पर अनुच्छेद लिखिए –

1. हमारा पुस्तकालय

....

....

....

....

....

....

....

....

2. मेरा प्यारा घर

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कहानी-लेखन

पाठ योजनाः 19

आज की अवधारणा

छात्रों को कहानी-लेखन के प्रति रुचि उत्पन्न करते हुए उन्हें लेखन हेतु प्रेरित करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र अपने बड़ों से कहानी सुनते तथा पढ़ते आए हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में कहानी-लेखन संबंधी रुझान उत्पन्न होगा तथा वे सक्षम हो सकेंगे–

- कहानी-लेखन के दौरान ध्यान दी जाने वाली बातों को समझने में,
- स्वयं की कहानी बुनने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- कहानी-पठन के प्रति रुचि उत्पन्न करते हुए लेखन हेतु प्रेरित करना।
- छात्रों की कल्पनात्मक तथा रचनात्मक शक्ति को अभिप्रेरित करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के भीतर स्वरचित लेखन की प्रक्रिया को विकसित करते हुए उनकी कल्पनात्मकता तथा रचनात्मकता को नई उड़ान देना।

गतिविधियाँ

छात्रों को कुछ संकेत देते हुए कक्षा में एक ऐसी कहानी सुनाने को कहना, जिससे यह सीख मिले कि हमें हमेशा सच बोलना चाहिए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध बाल-कहानियों संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर विभिन्न प्रेरक कहानियों के वीडियो क्लिप्स।
- संकेतों के माध्यम से किसी कहानी से संबंधित चित्र को दर्शाता चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। कुल समय : पाँच मिनट	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी के साथ होगी। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को कहानी-लेखन के संबंध में बताना। उनमें कहानी-लेखन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• छात्रों, कहानी कहना तथा लिखना दो अलग-अलग बातें हैं। • उन्हें बताएँ कि कहानी दो प्रकार से लिखी जाती है—चित्र के आधार पर तथा शब्द-संकेतों की सहायता से। • कहानी-लेखन के दौरान कई बातों का ध्यान भी रखा जाता है तथा उन्हें वे बिंदु समझाएँ। • छात्रों से पूछें कि उन्हें किस तरह की कहानियाँ पढ़ने का शौक है। यदि उन्हें स्वयं कोई कहानी लिखनी हो तो उनकी कहानी का विषय क्या होगा। • पुस्तक की सहायता से छात्रों को चित्रों तथा संकेतों से बनी कहानी समझाइए। • अब उन्हें किसी कहानी से संबंधित चित्रों को दिखाएँ तथा कक्षा में सभी बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कहानी बुनने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन समय : पाँच मिनट	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. चित्र की सहायता से कहानी लिखो और कहानी को मनचाहा शीर्षक दो—

....

....

....

....

शीर्षक – ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. बॉक्स में दिए गए शब्दों की सहायता से कहानी को पूरा कीजिए।

बिल्ली और बंदर

बाँटकर,	टुकड़े,	तराजू,	बिल्लियाँ,	रोटी,	प्यार,
समय,	नतीजे	मुँह,	न्याय,	पलड़ा,	इंतजार,
चुपचाप,	फायदा,	चिंता,	फूट,	गलती,	भगा,
आपस,	मेहनत,	ठीक,	मजदूरी,	बँटवारा	

एक गाँव में दो .... रहती थीं। वे आपस में बहुत ....से रहती थीं। उन्हें जो कुछ मिलता था, उसे आपस में .... खाया करती थीं। एक दिन उन्हें एक .... मिली। उसे बराबर-बराबर बाँटते ....उनमें झगड़ा हो गया। एक बिल्ली को अपनी रोटी का टुकड़ा दूसरी बिल्ली के रोटी के ....से छोटा लगा। परंतु दूसरी बिल्ली को अपनी रोटी का टुकड़ा बड़ा नहीं लगा।

जब दोनों बिल्लियाँ किसी .... पर नहीं पहुँच पाई तो वे बंदर के पास गई। उन्होंने बंदर को सारी बात बताई और उससे .... करने के लिए कहा। सारी बात सुनकर बंदर एक .... लेकर आया और दोनों टुकड़ों को एक-एक पलड़े में रख दिया। तोलते समय जो पलड़ा भारी हुआ, उस वाली तरफ से उसने थोड़ी-सी रोटी तोड़कर अपने .... में डाल ली। अब दूसरी तरफ का .... भारी हो गया, तो बंदर ने उस तरफ से रोटी तोड़कर खा ली। इस तरह, बंदर कभी इस तरफ तो कभी उस तरफ से रोटी ज्यादा होने का .... उठाकर रोटी खाता गया।

दोनों बिल्लियाँ .... बंदर के फैसले का .... करती रहीं। परंतु जब बिल्लियों ने देखा कि रोटी के दोनों टुकड़े बहुत छोटे-छोटे रह गए तो वे बंदर से बोलीं कि - ''आप .... ना करें हम अपने आप .... कर लेंगी।''

इस पर बंदर बोला - ''जैसा आप .... समझो, परंतु मुझे भी अपनी .... की .... मिलनी चाहिए।'' इतना कहकर बंदर ने बाकी बचे हुए रोटी के दोनों टुकड़े अपने मुँह में भर लिए और बिल्लियों को वहाँ से .... दिया। दोनों बिल्लियों को अपनी .... का बहुत दुख हुआ और उन्हें समझ आ गया कि ''.................................. की .... बहुत बुरी होती है और दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं।